रडार फैक्टरी

चर्चा में क्यों?

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे के निकट बझिामई गाँव में **डफिंस इंडस्ट्रयिल कॉरडिोर** में 400 करोड़ रुपए की लागत से रडार बनाने की फैक्टरी स्थापति की जाएगी।

मुख्य बदिु

- **कारखाने के बारे में**
  - **नरि्माणकर्त्ता:** 60 हेक्टेयर में वसि्तृत यह फक्ट्री **भारत हैवी इलेक्ट्रकिल लमिटिेड** द्वारा स्थापति की जाएगी।
  - रडार नरि्माण की सुवधिा से देश की **रक्षा प्रणाली में सुधार** होगा, क्योंकि रडार की उच्च गुणवत्ता वाले नरि्माण से सेना को बेहतर सुरक्षा और नगिरानी प्रदान करने में मदद मलिेगी।
  - इस फैक्टरी के माध्यम से भारत को **रडार** और अन्य रक्षा उपकरणों के नरि्माण में आत्मनरि्भर बनाने में मदद मलिेगी, जसिसे **बाहरी देशों पर नरि्भरता कम होगी**।

डफिंस इंडस्ट्रयिल कॉरडिोर (DIC)

- यह केंद्र सरकार की एक प्रमुख सरकारी पहल है, जसिका उद्देश्य भारत के रक्षा उद्योग को मज़बूती प्रदान करना और आत्मनरि्भर बनाना है।
- डफिंस कॉरडिोर **एक रूट होता है, जसिमें कई शहर शामलि होते हैं। इन शहरों में सैन्य उपकरणों के नरि्माण के लयि इंडस्ट्री स्थापति की जाती हैं।**

- महत्त्व:
  - इससे देश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनरि्भर बनाने और **'मेक इन इंडयिा'** को बढ़ावा देने में मदद मलिेगी, जसिसे हमारा आयात कम होगा और अन्य देशों को इन वस्तुओं के नरि्यात को बढ़ावा मलिेगा ।
  - यह प्रौद्योगकियिों के समन्वति वकिास के माध्यम से रक्षा वनिरि्माण पारस्थितिकिी तंत्र को बढ़ावा देगा , एमएसएमई और **स्टार्ट-अप** सहति नजिी घरेलू नरि्माताओं के वकिास को बढ़ावा देगा ।
- वति्त वर्ष 2018-19 के बजट में देश में दो डफिंस इंडस्ट्रयिल कॉरडिोर (Defence Industrial Corridor) बनाए जाने की घोषणा की गई थी। इनमें से **पहला तमलिनाडु के पाँच शहरों (चेन्नई , कोयंबटूर , होसुर , सलेम और तरिुचरिापल्ली)** और **दूसरा उत्तर प्रदेश के छह शहरों (अलीगढ़, आगरा, झांसी, चत्रिकूट, कानपुर और लखनऊ)** में बन रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/radar-factory